हमें विकास, वन और पर्यावरण को परिभाषित करने का प्रयास करना होगा : कुलपति प्रो. श्रीवास्तव

जगदलपुर, 21 मार्च (देशबन्धु)। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को वन विद्यालय, जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, मुख्य वन संरक्षक आरसी दुग्गा, कांगेर वैली के डायरेक्टर चूड़ामणि सिंह, विवि वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो. शरद नेमा एवं वन विद्यालय की संचालक दिव्या गौतम की उपस्थिति में विवि के विद्यार्थियों ने वनों की सुरक्षा और उससे सबंधित संसाधनों के सदुपयोग के संबंध में मॉडलों की प्रदर्शनी लगाई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि देश में ग्रीन इकॉनोमी पर जोर दिया जा रहा है। इसके अनुसार हमें विकास, वन और पर्यावरण को परिभाषित करने का प्रयास करना होगा ताकि ये एक-दूसरे के विरोधी न बनें। वनों की उपलब्धता के कारण बस्तर की वायु गुणवत्ता सूचकांक देश में बहुत अच्छा है।

मुख्य वन संरक्षक, जगदलपुर आरसी दुग्गा ने जीवन में ऑक्सीजन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हवा को प्रदूषित होने से बचाने के लिए वनों को सुरक्षित करना जरूरी है। वन को सुरक्षित नहीं करेंगे तो वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या बस्तर में दिख सकता है। वनों में आग इन दिनों बड़ी चुनौती है। कांगेर वैली के डायरेक्टर चूड़ामणि सिंह ने कहा कि हमें फॉरेस्ट फूड को सस्टेनेबल बनाना है। ग्रामीण न केवल तेंदू, मिलेट, बांस जैसे खाद्य सामाग्री वनों से प्राप्त कर रहे हैं बल्कि वन आधारित पर्यटन से अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। इससे जुड़े कई जॉब के अवसर उन्हें मिल रहे हैं। वरिष्ठ प्रो. शरद नेमा ने कहा कि देश में वन दिनों दिन घट रहे हैं। आवश्यक तैंतीस प्रतिशत की जगह अब 20-21 फीसद वन क्षेत्र रह गए हैं। देश के बेहतर इको सिस्टम के लिए इस दस प्रतिशत के गैप को भरना जरूरी है। वन विद्यालय की संचालक दिव्या गौतम ने कहा कि वन हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र के स्तंभ हैं पर दिनों दिन वनों पर खतरा मंडराता जा रहा है। ऐसे में हमें इसके महत्व के अनुसार आने वाली पीढ़ी के लिए संरक्षित करने का प्रयास करना है। कार्यक्रम में विवि के फॉरेस्ट्री डिपार्टमेंट के पीएचडी स्कॉलर एवं एमएससी के स्टूडेंट ने भाग लिया। आकांक्षा राठी, साक्षी स्वैन एवं शिवम श्रीवास्तव ने प्रजेंटेशन दिया। विद्यार्थियों ने एग्रो फॉरेस्ट्री, सॉयल प्रोफाइल, एनडब्ल्यूएफटी, वूड सैंपल, इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम, कांगेर वैली, फॉरेस्टेड एंड डी फॉरेस्ट लैंड, फॉरेस्ट फ्रूट, फॉरेस्ट ट्यूबर, पग मार्क आईडेंटिफिकेशन एवं हनी बी नाम से मॉडल की प्रदर्शनी लगाई। विवि के वानिकी एवं वन्यजीव अध्ययनशाला एवं वन विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर विनोद कुमार सोनी, डॉ. सजीवन कुमार, अतिथि व्याख्याता प्रीति दुबे सहित अन्य उपस्थिति थे। ज्ञात हो कि वनों के महत्व के प्रति जागरूकता में वृद्धि के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2012 से प्रति वर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस मनाया जा रहा है। इस बार खाद्य सुरक्षा, पोषण और आजीविकोपार्जन में वनों की भूमिका रेखांकित करने के लिए फॉरेस्ट एंड फूड विषय को थीम बनाकर कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।